CHETANA
International Journal of Education
Peer Reviewed/Refereed Journal
(ISSN: 2455-8729 (E) / 2231-3613 (P))
Impact Factor
SJIF 2022 = 6.261

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

Research Paper

Received on 11.09.2022
Reviewed on 19.09.2022
Accepted on 20.09.2022

नागौर के आवासीय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

*सुनील कुमार

मुख्य शब्द– *आवासीय विद्यालय, गैर आवासीय विद्यालय, संवेगात्मक बुद्धि आदि।*

सार-संक्षेप

प्रस्तुत शोध अध्ययन में नागौर के आवासीय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। शोध अध्ययन में शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया। शोध अध्ययन में राजस्थान राज्य के नागौर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय तथा स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल से 100 विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि के अनुरूप दिये गये निर्देशों के अनुसार न्यादर्श के लिए चयनित किया गया तथा उनकी संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। संवेगात्मक बुद्धि का मापन करने हेतु डॉ॰ अरूण कुमार सिंह तथा डॉ॰ श्रुति नारायण द्वारा प्रमापीकृत शोध उपकरण इमोशनल इंटेलिजंस स्केल का उपयोग किया गया। शोध अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन तथा टी-मान सांख्यिकी का उपयोग किया गया। शोध अध्ययन के परिणामों से ज्ञात हुआ है कि नागौर के आवासीय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

प्रस्तावना

भारतीय संस्कृति में विभिन्नता में एकता की झलक देखने को मिलती है। विभिन्न समाज, वर्ग एवं समुदाय सांस्कृतिक रूप से एकता के सूत्र में बंधे हुए रहते है। आधुनिकता के कारण सांस्कृतिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक विघटन देखने

को मिल रहा है। जिसका प्रमुख कारण व्यक्तिगत हित एवं स्वार्थी प्रवृत्ति है। जिससे व्यक्ति संवेगों को समझ नहीं पा रहा है। संवेगों को समझने में संवेगात्मक बुद्धि का महत्त्वपूर्ण योगदान है। इस प्रकार विद्यार्थी के समुचित व्यक्तित्व विकास में संवेगात्मक बुद्धि की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। संवेगात्मक बुद्धि अर्जित होती है। जिसका विकास कभी समाप्त नहीं होता अपितु समय के अनुसार बढ़ता जाता है। संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य उस योग्यता से है जो संवेगों का सही ढंग से प्रत्यक्षीकरण करने, समझने और अभिव्यक्ति करने तथा विचार प्रक्रिया में सहायता पहुँचाने हेतु भावनाएँ जगाने के काम आती है। साथ में उस योग्यता से भी है जो वृद्धि को प्राप्त होने के लिए संवेगों का नियमन करने में सहायक होती है।[1]

प्रारंभ में संवेगात्मक बुद्धि को जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त करने हेतु संवेगों का उपयोग करने वाली संज्ञानात्मक क्षमताओं का समूह माना जाता था। डेनियल गोलमैन के अनुसार- संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति के स्वयं के एवं दूसरों के संवेगों को पहचानने की वह क्षमता है जो हमें प्रेरित कर सकने और हमारे संवेगों को स्वयं में और अपने संबंधों के दौरान भली प्रकार साधने में सहायक होती है। उनके अनुसार संवेगात्मक बुद्धि के माध्यम से विद्यालय तथा कार्यक्षेत्र में सफलता को निर्धारित किया जाता है।[2]

संवेगात्मक बुद्धि के तीन मुख्य मॉडल निम्नलिखित है -

(क) क्षमता मॉडल (ख) विशेषता या टेट मॉडल (ग) मिश्रित मॉडल

डेनियल गोलमैन के अनुसार संवेगात्मक बुद्धि के पाँच प्रमुख घटक निम्नलिखित है -

(i) स्व-जागरूकता (ii) स्व-नियमन (iii) सामाजिक कौशल

(iv) समानुभूति (v) आत्मअभिप्रेरणा[3]

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

2. नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

3. नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

शोध अध्ययन का परिसीमांकन

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन नागौर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय तथा स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल तक ही सीमित है।

2. प्रस्तुत शोध अध्ययन में कक्षा 11 के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

3. प्रस्तुत शोध अध्ययन में कुल न्यादर्श 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्श

शोध अध्ययन में राजस्थान के नागौर जिले के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय से 100 विद्यार्थियों का यादृच्छिक विधि के द्वारा चयन किया गया है।[4]

शोध अध्ययन में प्रयुक्त विधि

शोधार्थी द्वारा विवरणात्मक सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

शोध अध्ययन में दत्त संकलन हेतु डॉ॰ अरूण कुमार सिंह और डॉ॰ श्रुति नारायण द्वारा प्रमापीकृत उपकरण इमोशनल इंटेलिजंस स्केल का उपयोग किया गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

(1) मध्यमान (2) मानक विचलन (3) टी-मान

आंकड़ों का विश्लेषण एवं निर्वचन

नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं उसके आयामों का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन के लिए नागौर के आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी (N=50) तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी (N=50) पर डॉ॰ अरूण कुमार सिंह और डॉ॰ श्रुति नारायण द्वारा प्रमापीकृत उपकरण इमोशनल इंटेलिजंस स्केल को प्रशासित किया गया। दत्त संकलन से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय

विद्यालयके विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान सांख्यिकी का उपयोग किया गया। गणना से प्राप्त मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान को सारणी संख्या 01 में प्रदर्शित किया गया है।

सारणी संख्या 01
नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं उसके आयामों पर प्राप्त मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान

क्र.सं.	इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के आयाम	आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी (N=50)		गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी (N=50)		टी-मान
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
1	कुल संवेगात्मक बुद्धि	24.620	4.444	23.040	3.709	1.930
2	संवेगों की समझ	3.000	0.904	2.480	0.886	2.905**
3	अभिप्रेरणा की समझ	5.780	1.753	6.080	1.614	0.890
4	समानुभूति	8.340	1.319	7.920	1.536	1.467
5	संबंध संभालना	7.500	1.488	6.560	1.215	3.460**

*0.05 स्तर पर सार्थकता = 1.985 **0.01 स्तर पर सार्थकता = 2.627

विश्लेषण

उपर्युक्त सारणी संख्या 01 के अनुसार नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालयके विद्यार्थियों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल पर दत्तों का कुल मध्यमान क्रमशः 24.620 व 23.040 तथा मानक विचलन क्रमशः 4.444 व 3.709 प्राप्त हुआ है। नागौर के आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का मध्यमान गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्यमान से अधिक है। नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.930 प्राप्त हुआ है जो सार्थक मान से कम है। अतः नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालयके विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। फलस्वरूप परिकल्पना संख्या 01 चयनित की जाती है जिसके अनुसार नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

आयामों का विश्लेषण

(1) नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के प्रथम आयाम संवेगों की समझ पर दत्तों का मध्यमान क्रमश: 3.000 व 2.480 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.904 व 0.886 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 2.905 प्राप्त हुआ है जो सार्थक मान से अधिक है। निष्कर्षत: इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के प्रथम आयाम संवेगों की समझ पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर पाया गया। परिणामत: नागौर के आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाया गया।

(2) नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के द्वितीय आयाम अभिप्रेरणा की समझ पर दत्तों का मध्यमान क्रमश: 5.780 व 6.080 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.753 व 1.614 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालयके विद्यार्थियों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 0.890 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से कम है। निष्कर्षत: इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के द्वितीय आयाम अभिप्रेरणा की समझ पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(3) नागौर के आवासीय विद्यालयतथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के तृतीय आयाम समानुभूति पर दत्तों का मध्यमान क्रमश: 8.340 व 7.920 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.319 व 1.536 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.467 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से कम है। निष्कर्षत: इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के तृतीय आयाम समानुभूति पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(4) नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के चतुर्थ आयाम संबंध संभालना पर दत्तों का मध्यमान क्रमश: 7.500 व 6.560 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.488 व 1.215 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 3.460 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से अधिक है। निष्कर्षत: इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के चतुर्थ आयाम संबंध संभालना पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर पाया गया। परिणामत: नागौर के

आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाया गया।

नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं उसके आयामों का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन के लिए नागौर के आवासीय विद्यालय के छात्र (N=25) तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्र (N=25) पर डॉ॰ अरूण कुमार सिंह और डॉ॰ श्रुति नारायण द्वारा प्रमापीकृत उपकरण इमोशनल इंटेलिजंस स्केल को प्रशासित किया गया। दत्त संकलन से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान सांख्यिकी का उपयोग किया गया। गणना से प्राप्त मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान को सारणी संख्या 02 में प्रदर्शित किया गया है।

सारणी संख्या 02

नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं उसके आयामों पर प्राप्त मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान

क्र.सं.	इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के आयाम	आवासीय विद्यालय के छात्र (N=25)		गैर आवासीय विद्यालय के छात्र (N=25)		टी-मान
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
1	कुल संवेगात्मक बुद्धि	25.800	4.509	23.960	3.482	1.615
2	संवेगों की समझ	3.400	0.816	2.640	0.907	3.113**
3	अभिप्रेरणा की समझ	6.040	1.719	6.720	1.458	1.508
4	समानुभूति	8.360	1.440	8.000	1.443	0.883
5	संबंध संभालना	8.000	1.414	6.600	1.291	3.656**

*0.05 स्तर पर सार्थकता = 2.011 **0.01 स्तर पर सार्थकता = 2.682

विश्लेषण

उपर्युक्त सारणी संख्या 02 के अनुसार नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल पर दत्तों का कुल मध्यमान क्रमशः 25.800 व 23.960 तथा मानक विचलन क्रमशः 4.509 व 3.482 प्राप्त हुआ है। नागौर के आवासीय विद्यालय के छात्रों का मध्यमान गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों के मध्यमान से

अधिक है। नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.615 प्राप्त हुआ है जो सार्थक मान से कम है। अतः नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। फलस्वरूप परिकल्पना संख्या 02 चयनित की जाती है जिसके अनुसार नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

आयामों का विश्लेषण

(1) नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के प्रथम आयाम संवेगों की समझ पर दत्तों का मध्यमान क्रमशः 3.400 व 2.640 तथा मानक विचलन क्रमशः 0.816 व 0.907 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 3.113 प्राप्त हुआ है जो सार्थक मान से अधिक है। निष्कर्षतः इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के प्रथम आयाम संवेगों की समझ पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर पाया गया। परिणामतः नागौर के आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की अपेक्षा अधिक पाया गया।

(2) नागौर के आवासीय विद्यालयतथा गैर आवासीय विद्यालयके छात्रों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के द्वितीय आयाम अभिप्रेरणा की समझ पर दत्तों का मध्यमान क्रमशः 6.040 व 6.720 तथा मानक विचलन क्रमशः 1.719 व 1.458 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.508 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से कम है। निष्कर्षतः इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के द्वितीय आयाम अभिप्रेरणा की समझ पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(3) नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के तृतीय आयाम समानुभूति पर दत्तों का मध्यमान क्रमशः 8.360 व 8.000 तथा मानक विचलन क्रमशः 1.440 व 1.443 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 0.883 प्राप्त हुआ जो कि सार्थक मान से कम है। निष्कर्षतः इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के तृतीय आयाम समानुभूति पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(4) नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के चतुर्थ आयाम संबंध संभालना पर दत्तों का मध्यमान क्रमशः 8.000 व 6.660 तथा मानक विचलन क्रमशः 1.414 व 1.291 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों के मध्यमानों में

अंतर का टी-मान 3.656 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से अधिक है। निष्कर्षतः इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के चतुर्थ आयाम संबंध संभालना पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर पाया गया। परिणामतः नागौर के आवासीय विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर गैर आवासीय विद्यालय के छात्रों की अपेक्षा अधिक पाया गया।

नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय के छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं उसके आयामों का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन के लिए नागौर के आवासीय विद्यालय की छात्राओं (N=25) तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं (N=25) पर डॉ॰ अरूण कुमार सिंह और डॉ॰ श्रुति नारायण द्वारा प्रमापीकृत उपकरण इमोशनल इंटेलिजंस स्केल को प्रशासित किया गया। दत्त संकलन से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान सांख्यिकी का उपयोग किया गया। गणना से प्राप्त मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान को सारणी संख्या 03 में प्रदर्शित किया गया है।

सारणी संख्या 03

नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं उसके आयामों पर प्राप्त मध्यमान, मानक विचलन व टी-मान

क्र.सं.	इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के आयाम	आवासीय विद्यालय के छात्रा (N=25)		गैर आवासीय विद्यालय की छात्रा (N=25)		टी-मान
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
1	कुल संवेगात्मक बुद्धि	23.440	4.134	22.120	3.767	1.180
2	संवेगों की समझ	2.600	0.816	2.320	0.852	1.186
3	अभिप्रेरणा की समझ	5.520	1.782	5.440	1.530	0.170
4	समानुभूति	8.320	1.215	7.840	1.650	1.171
5	संबंध संभालना	7.000	1.414	6.520	1.159	1.313

*0.05 स्तर पर सार्थकता = 2.011 **0.01 स्तर पर सार्थकता = 2.682

विश्लेषण

उपर्युक्त सारणी संख्या 03 के अनुसार नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल पर दत्तों का कुल मध्यमान क्रमश: 23.440 व 22.120 तथा मानक विचलन क्रमश: 4.134 व 3.767 प्राप्त हुआ है। नागौर के आवासीय विद्यालय की छात्राओं का मध्यमान गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं के मध्यमान से अधिक है। नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.180 प्राप्त हुआ है जो सार्थक मान से कम है। अत: नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालयकी छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। फलस्वरूप परिकल्पना संख्या 03 चयनित की जाती है जिसके अनुसार नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

आयामों का विश्लेषण

1. नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के प्रथम आयाम संवेगों की समझ पर दत्तों का मध्यमान क्रमश: 2.600 व 2.320 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.816 व 0.852 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.186 प्राप्त हुआ है जो सार्थक मान से कम है। निष्कर्षत: इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के प्रथम आयाम संवेगों की समझ पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(2) नागौर के आवासीय विद्यालयतथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के द्वितीय आयाम अभिप्रेरणा की समझ पर दत्तों का मध्यमान क्रमश: 5.520 व 5.440 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.782 व 1.530 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालयकी छात्राओं के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 0.170 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से कम है। निष्कर्षत: इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के द्वितीय आयाम अभिप्रेरणा की समझ पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(3) नागौर के आवासीय विद्यालयतथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के तृतीय आयाम समानुभूति पर दत्तों का मध्यमान क्रमश: 8.320 व 7.840 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.215 व 1.650 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.171 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से कम है। निष्कर्षत: इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के तृतीय आयाम समानुभूति पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(4) नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं का इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के चतुर्थ आयाम संबंध संभालना पर दत्तों का मध्यमान क्रमशः 7.000 व 6.520 तथा मानक विचलन क्रमशः 1.414 व 1.159 प्राप्त हुआ है। इस आयाम पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं के मध्यमानों में अंतर का टी-मान 1.313 प्राप्त हुआ जो सार्थक मान से कम है। निष्कर्षतः इमोशनल इंटेलिजंस स्केल के चतुर्थ आयाम संबंध संभालना पर नागौर के आवासीय विद्यालय तथा गैर आवासीय विद्यालय की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. मंगल, एस.के. एवं मंगल, शुभ्रा (2019), "अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान", पी.एच.आई. लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, पृष्ठ संख्या 461
2. पाण्डेय, कल्पलता एवं श्रीवास्तव शंकर शरण (2007), "शिक्षा मनोविज्ञान भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि", टाटा मेग्रो हिल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, पृष्ठ संख्या 102-103
3. सिंह, जे.डी. (2020), "शिक्षा मनोविज्ञान", आपणी पोथी, नवलगढ़, पृष्ठ संख्या 160-161
4. रावत, हरिकृष्ण (2017), "सामाजिक शोध की विधियाँ", रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, पृष्ठ संख्या 175-176

Corresponding Author
* सुनील कुमार
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर
Email-pr.sunilsoni@gmail.com, Mob.-8696102042